## National Seminar on Emerging Issues Relating to Environmental Laws at ILS – March 30, 2018

#### **Himachal Time**

# Law School inaugurates National Seminar on environment

DEHRADUN, MARCH 30 (HTNS) Seminar National 0.0 Emerging Issues Relating to Environmental Laws: National Perspectives' was organized by ICFAI Law organized by ICFAI Law School today amidst the presence of globally re-nowned eminent personali-ties like Prof. (Dr.) Usha Tandon, Dehbi University, Prof. (Dr.) MZM Nomani, Aligarh Muslim University, Prof. (Dr.) S.K. Gupta, BHU, Prof. (Dr.) S.K. Gupta, BHU, Prof. (Dr.) Yogesh Pratap Singh, NLU Odisha, Prof. (Dr.) Tabrez Ahmid, Direc-(Dr.) Tabrez Ahmad, Direc-tor (CoLS), UPES inter alia. The inaugural ses

sion of the seminar wit-nessed more than 300 par-ticipants from across the company from across the nation including all the leading National Law Uni-versities and various law colleges in India. The Na-tional Seminar started with the instructions of the orthe instructions of the or-ganizing secretary Alok Kumar and Avishek Raj, Asst. Prof., ICFAI Law School. The inaugural ceremony started in the morning in the presence of in-vited guests, members of academia, members of legal profession, research scholars, and law students from across the nation. The beginning of the ceremony was marked by the lighting of the lamp by the guests signifying the underlying object of the seminar - a gradual advancement from gradual advancement from the darkness of ignorance to the brightness of knowl-edge. The lighting of the lamp was followed by the National Anthem Prof. (Dr.) MZM Nomani, the key dote speaker for the occa-sion, speaking for his chair glorified the historical movements and actions movements and actions taken for the protection and growth of environ-ment Emphasising the need to inter-link Economic laws, Human Rights laws, and Environment laws, he also mentioned Dominique Mc Gold's theory of sustainable development, and how the same needs to be

incorporated in today's scenario He expressed how in his opinion the Inhow in his opinion the In-dian Environmental laws can be broadly categorized in to three categories, namely, anti-pollution laws, recovery laws, and resource conservation laws, and implications thereof Prof (Dr.)Tabrez Ahmad, Guest of Honour for the occasion, started by expressing his concern by expressing his concern over how New Delhi still tops the list of most pol-luted cities from across the globe.

He was followed by Prof. (Dr.) Yogesh Pratap Singh who expressed that environmental law is not a environmental faw is not a subject only for law stu-dents, lawyers, or legal academia members rather it's a subject of humanity.

It is a subject of humanity. The ending of the in-augural session was marked by the presidential remarks by Vice Chancel-lor, IUD, Prof. (Dr.) Pawan K. Aggarwal followed by vote of thanks.

#### **Garhwal Post**



and

A REAL PROPERTY IN MZM 24

et, searced by

by presumpte of starting that it principle in the calculation repoint out that his case in Ser applied this goest tale. He concluded by existing BHU's 'Cycle Chill app and provincial app energy and principal

The Chief Guest, Prof.

Chesistian R Paseum R Sellawald by The Page **Dainik Jagran** 

रण संरक्षण संवाद सहयोगी, विकासनगरः सेलाकुई है। अनेकों स्थलों पर प्रदूषण का स्तर उपलब्धियां मानव उसी समय प्राप्त कर और पहुंच रहा है। जल प्रदूषण इक्फाई विश्वविद्यालय में शुक्रवार से जरूर कम होता है, लेकिन पूर्णतया पाएगा जबकि वह प्राकृतिक संपदा का एवं निवारण अपिनिचम 1976 अर्थदंड एवं कारायास के प्रावधानी के नियंत्रित नहीं हो पा रहा है तो हम किसे विवेकपूर्ण उपयोग करेगा। जनाधिक्य, पर्यावरण कानून व पर्यावरण से संबंधित बावजूद प्री को प्री वमुना जहरोली हो वर्तमान मसले विषय पर दो दिवसीय दोषी ठहराएं। उन्होंने कहा कि एक-दसरे भोगवाद की संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों का अत्वधिक उपयोग, युद्ध, चुको है। गेंगा गंदी हो चुको है, प्लास्टिक को दोष देने के बजाय पर्यावरण संरक्षण कार्यशाला की शुरुआत हुई। पहले वेंस्ट को लेकर भी कानून में भारी के लिए जन जागरूकता जरूरी है। परमाणु परीक्षण, औद्योगिक विकास दिन बतौर मुख्य वक्ता दिल्ली विश्व आदि के कारण नई-नई पारिस्थितिकी अर्थदंड के बावजूद प्लास्टिक कचरों विद्यालय की प्रो. उपा टंडन ने कहा कि कार्यशाला का उद्घाटन विश्व के ढेर बढ़ रहे हैं। नगरीय ठोस अपसिछ विद्यालय के कुलपति प्रो. पीके अग्रवाल समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। मानव ने अपनी मुर्खता के कारण अनेक कानून में भी कठोर दंड के बावजूद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके इन समस्याओं को उत्पन्न न होने समस्याएं पैदा की हैं। इनमें से पर्यावरण महानगरों में गंदे कचरों के पहाड़ खड़े देना मानव जाति का प्रमुख उंदेश्य होना पर वक्ताओं ने कहा कि प्रकृति का प्रदुषण अहम है। विधानसभा, संसद, हो चुके हैं। लिहाजा पर्यावरण संरक्षण चाहिए। वायु प्रदूषण नियंत्रण कानून प्रत्येक कार्य व्यवस्थित एवं स्वचलित न्वायालय, उच्च न्यायालय, उच्चतम के लिए अधिक जन जागरुकता जरूरी 1981 के उल्लंघन पर कठोर कारावास है। उसमें कहीं भी कोई दोष नहीं है। न्यायालय, अखबार, टेलीविजन सब है। इस दौरान प्रो. योगेश प्रताम सिंह, प्रो. की सजा के प्रावधानों के बावजूद राष्ट्र मानव पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण तबरेज अहमद, आस्तीक धपलियाल जगह पर्वावरण संरक्षण और प्रदूषण पर में सैकड़ों शहर के वायुमंडल पर प्रदूषण उपभोक्ता है। अपने नैतिक, आर्थिक चर्चा होती है, फिर भी न तो कोई दोषी आदि मौजुद रहे। का स्तर क्रांतिक स्तर तक पहुंच चुका है और सामाजिक विकास की उच्चतम पाया जाता है न किसी को सजा मिलती

#### **Dainik Jagran I-Next**



DEHRADUN(30 March): फ्राइसे को इक्फाई यूनिवर्सिटी में एनवायरमेंट इश्यू को लेकर 2 दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजित किया गया. सेमिनार का आयोजन विधि संकाय द्वारा किया गया. इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर चर्चा की गई.

### ३०० स्टूडेंट्स ने किया पार्टिसिपेट

सेमिनार में चौफ गेस्ट के रूप में दिल्ली चुनिषसिंटी को प्रोफेसर उषा टंडन ने मौजूद रहीं. सेमिनार में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जफर महमूद नौमानी, बीएचयू से प्रोफेसर हीलेन्द्र कुमार गुप्ता, प्रोफेसर योगेश प्रताप सिंह, प्रोफेसर तबरेज अहमद ने अपने विचार रखे. सीमनार में देश के विभिन्न संस्थानों से आए 300 से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हुए. मुख्य वक्ता मोहम्मद नौमानी ने पर्यावरण और मानव अधिकार पर्यावरण विभियों, डोमिनिक गोल्ड सिद्धान्त पर चर्चा की. उन्होंने पर्यावरण न्यूरिस्ट्रेडेंस के बारे मे बताया और मौजूदा हालतत में पर्यावरण की समस्याओं का बोध कराया. तबरेज अहमद ने नई दिल्ली के प्रदूषण का जिक्र किया. इक्स्पाई विश्वविद्यालय के कुलपति एवन कुमार अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा.